and their families in a planned manner; and

(b) if so, the steps taken by Government to improve the working of the Board?

**The Minister of Defence (Shri Swaran Singh):** (a) It is a fact that meetings of this Board are not held regularly. No complaint has however, been received to the effect that it does not help ex-servicemen and their families in a planned manner.

(b) The matter will be brought to the notice of the State Soldiers', Sailors' and Airmen's Board, Bihar for necessary action.

## खेती बाड़ी के सम्बन्ध में रेडियो कार्यक्रम

754. श्री महाराज सिंह भारती : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गहन खेती के तरीकों और बीज, उर्वरक, कीटनाशक दवाइयों तथा खेती के औजारों को प्राप्त करने के तरीकों तथा उनको प्राप्त करने के स्थानों और सिंचाई के साधनों तथा सिंचाई करने के समय के बारे में सूचनाएं प्रसारित करने के लिए आकाशवाणी द्वारा तैयार की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

**सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह)** : केन्द्रीय खाद्य एवं कृषि मंत्रालय और राज्य सरकारों के कृषि विभागों के सघन खेती और अधिक उपज देने वाली किस्मों सम्बन्धी कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान करने के लिये 1966-67 में आकाशवाणी के 10 केन्द्रों में 10 फार्म और गृह प्रसारण यूनिटें स्थापित की गईं । ये यूनिटें तरीकों और समस्याओं की समानता के आधार पर चुने गये छोटे, ठोस और समरूप कृषि-प्रधान क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरी करने के लिये स्थापित की गई हैं । ये कार्यक्रम अधिकतर खेती सम्बन्धी समस्याओं के बारे में होते हैं और बहुत अधिक संख्या में प्रगतिशील किसान अब इन प्रसारणों में भाग ले रहे हैं । आकाशवाणी के केन्द्रों और किसानों के बीच विचारों के आदान-प्रदान में ये काफी सहायक हो रही हैं ।

2. चालू साल में इस प्रकार की 6 और फार्म और गृह यूनिटें खोलने का विचार है । तब इन यूनिटों की संख्या 16 हो जाएगी । चालू योजना अवधि में ये 16 यूनिटें लगभग 130 जिलों में 3 करोड़ 25 लाख एकड़ क्षेत्र कवर करेंगी ।

3. फार्म और गृह यूनिटों का मुख्य उद्देश्य सघन खेती और अधिक उपज देने वाली किस्मों सम्बन्धी विविध कार्यक्रमों, जिनमें अच्छी किस्म के बीज, उर्वरक, कीटनाशक दवाइयों और खेती के आधुनिक औजारों का प्रयोग करना आदि शामिल है के बारे में जानकारी देना है । इन्हें प्राप्त करने के बारे में इन कार्यक्रमों में सामान्य रूप से जानकारी दी जाती है । किसानों को इस बारे में विशिष्ट जानकारी राज्यों के विस्तार विभागों द्वारा दी जाती है । विभिन्न फ़सलों के बारे में सिंचाई के साधनों तथा सिंचाई करने के समय के बारे में सूचनाएं देना भी इन कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण अंग है ।

26 जनवरी, 1967 से दिल्ली टेलीविजन केन्द्र से केन्द्रीय शासित दिल्ली क्षेत्र के कृषकों के लिए एक अर्ध-साप्ताहिक कार्यक्रम आरम्भ किया गया है । गांवों में 80 टेलीविजन सेट लगाए गए हैं और इन कार्यक्रमों में मुख्यत: कृषकों को सघन खेती और अधिक उपज देने वाली किस्मों के बारे में जानकारी देने और समझाने पर जोर दिया जाता है ।

## रक्सौल में आकाशवाणी केन्द्र

755. श्री के० एम० मधुकर : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार भारत-नेपाल सीमा पर रक्सौल में दस किलोवाट का एक प्रसारण केन्द्र स्थापित करने का है ।